MTBVAC के द्वतिीय चरण परीक्षणों को मंज़ूरी

स्रोत :द हिंदू

हाल ही में केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन(**Central Drug Standard Control Organisation** - *CDSCO)* ने माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस *(Live Attenuated)* वैक्सीन के द्वतिीय चरण के नैदानिक परीक्षण आयोजति करने के प्रस्ताव को मंज़ूरी दे दी है।

- **MTBVAC** भारत में वयस्कों में नैदानिक परीक्षण प्रारंभ करने के लिये मानव स्रोत से प्राप्त माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के विरुद्ध पहला टीका है।
- **भारत बायोटेक इंटरनेशनल लमिटिड** ने **स्पेनशि जैव प्रौद्योगिकी कंपनी बायोफैब्री** के सहयोग से भारत में **MTBVAC** की सुरक्षा, प्रतरिक्षाजन्यता एवं प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिये नैदानिक परीक्षणों की एक शृंखला प्रारंभ की है।
- MTBVAC को दो उद्देश्यों के लिये विकसित किया जा रहा है, नवजात बच्चों के लिये BCG (बैसलिस कैलमेट और गुएरनि) की तुलना में अधिक प्रभावी और संभावित रूप से लंबे समय तक चलने वाला टीका तथा **वयस्कों और कशिोरों में तपेदकि (TB) की रोकथाम** के लिये टीका विकसित करना, जिनके लिये वर्तमान में कोई प्रभावी टीका नहीं है।
- MTBVAC नैदानिक परीक्षणों में तपेदकि के विरुद्ध एकमात्र टीका है जो मनुष्यों से पृथक किये गये **रोगज़नक माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस** के आनुवंशिक रूप से संशोधित रूप पर आधारित है।
- **BCG**, गौवंशीय पशुओं में पाए जाने वाले TB रोगज़नक का एक क्षीण प्रकार है जो मानव में होने वाली तपेदकि से सौ वर्ष से अधिक पुराना है तथा मानवों में होने वाली तपेदकि पर इसका बहुत सीमित प्रभाव होता है।

और पढ़ें : ट्यूबरकुलोसिस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/approval-for-phase-2-trials-of-mtbvac